

---

## Devaih Kritam 14 Shiva Stotram

---

देवैः कृतं १४ शिवस्तोत्रम्

---

### Document Information

---



---

Text title : Devaih Kritam 14 Shiva Stotram

File name : devaiHkRRitaM14shivastotram.itx

Category : shiva, shivapurANa, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : shivapurANa | shatarudrasaMhita | adhyAya 10/32-36||

Latest update : February 5, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 10, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



देवैः कृतं १४ शिवस्तोत्रम्

---



देवा ऊचुः ।  
देवदेव महादेव शरणागतवत्सल ।  
पाहि नः शरणापन्नान्सर्वान्देवाञ्जगन्ति च ॥ ३२ ॥  
नमस्तेऽस्तु नमस्तेऽस्तु नमस्तेऽस्तु सदाशिव ।  
पूर्वं दुःखं यदा जातं तदा ते रक्षिता वयम् ॥ ३३ ॥  
समुद्रो मथितश्चैव रत्नानां च विभागशः ।  
कृते देवैस्तदा शम्भो गृहीतं गरलं त्वया ॥ ३४ ॥  
रक्षिताः स्म तदा नाथ नीलकण्ठ इति श्रुतः ।  
विषं पास्यसि नो चेत्त्वं भस्मीभूतास्तदाखिलाः ॥ ३५ ॥  
प्रसिद्धं च यदा यस्य दुःखं च जायते प्रभो ।  
तदा त्वन्नाममात्रेण सर्वदुःखं विलीयते ॥ ३६ ॥  
इदानीं नृहरिज्वालापीडितान्नस्सदाशिव ।  
तां त्वं शमयितुं देव शक्तोऽसीति सुनिश्चितम् ॥ ३७ ॥  
इति शिवपुराणे शतरुद्रसंहितायां दशमाध्ययान्तर्गतं  
देवैः कृतं शिवस्तोत्रं समाप्तम् ।  
शिवपुराण । शतरुद्रसंहिता । अध्याय १०/३२-३६ ॥

shivapurANa . shatarudrasaMhitA . adhyAya 10/32-36..

Proofread by PSA Easwaran

---

pdf was typeset on February 10, 2025

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

